सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
National Commission for Scheduled Tribes

(भारत के संविधान के अनुच्छेद 338क के अंतर्गत एक संवैधानिक निकाय)
(A constitutional body under Article 338A of the Constitution of India)

File No. Tour Report/State/2022-Coord. Dated: 12.07.2022

To

1. **The Chief Secretary,**
   Govt. of Madhya Pradesh,
   MP Mantralaya,
   Vallabh Bhawan,
   Bhopal – 462004.
   (Madhya Pradesh).

2. **Dr. Jayant Sonwalkar,**
   Vice Chancellor,
   Madhya Pradesh Bhoj (Open) University,
   Kolar Road, Bhopal,
   (Madhya Pradesh)
   Email- vc.mpbou@mp.gov.in,
   vcoffice.mpbou@gmail.com

Sub: Tour Report of Shri Harsh Chouhan, Hon'ble Chairperson, NCST to the State of Madhya Pradesh from 12th to 14th November, 2021.

Sir,

I am directed to enclose a copy of Tour Report of Shri Harsh Chouhan, Hon'ble Chairperson, NCST to the State of Madhya Pradesh from 12th to 14th November, 2021 for ready reference on the subject cited above.

2. It is, therefore, requested that appropriate action taken to be taken on the points raised / recommendations in the Tour Report may be furnished the Report to the Commission at the earliest.

(Encl: as above)

Yours faithfully,

(S. P. Meena)
Deputy Director
Tel: 011-24657272.
Email: assttdir.ru2@ncst.nic.in

Copy for information to:

1. Shri R. K. Dubey, Deputy Director, Room No. 309, Nirman Sadan, CGO Complex, 52-A, Arera Hills, Bhopal – 462011.
2. PS to Hon'ble Chairperson, NCST
3. NIC (for uploading on the website of the Commission).

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
प्रवास प्रतिवेदन

1. दौरा करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों के नाम	श्री हर्ष चौहान माननीय अध्यक्ष राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली श्री अभय आलोडे अध्यक्ष के निजी सहायक
2. दौरे की तिथि	12 से 14 नवम्बर 2021
3. दौरा किये गये स्थान	1. मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.) 2. दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान, ठेंगड़ी भवन, भोपाल 3. कोर्टयार्ड बाय मेरियट, भोपाल 4. राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल 5. रविन्द्र भवन, भोपाल

4. मुख्य अधिकारीगण/संगठनों/व्यक्तियों से मिले –

i.	श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, केंद्रीय राज्य मंत्री, ग्रामीण विकास मंत्रालय
ii.	सुश्री उषा ठाकुर, माननीय मंत्री, संस्कृति, पर्यटन एवं अध्यात्म विभाग, मध्य प्रदेश शासन
iii.	श्री विभाष उपाध्याय, उपाध्यक्ष, जन अभियान परिषद, भोपाल
iv.	डॉ. जयन्त सोनवलकर कुलपति, मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय, भोपाल
v.	डॉ. एल.एस. सोलंकी, कुल सचिव, मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय, भोपाल
vi.	प्रो. भरत शरण सिंह, अध्यक्ष, मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियम आयोग
vii.	सुश्री दीपिका खन्ना, अनुसंधान अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, भोपाल, मध्य प्रदेश
viii.	श्री पी.सी. मंगेरिया, परामर्शक, क्षेत्रीय कार्यालय, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, भोपाल, मध्य प्रदेश
ix.	डॉ. रामशंकर उरांव, प्रवक्ता, बनारस हिंदू विश्वविद्यायल, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
x.	श्री मुकेश मिश्रा, दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान, ठेंगड़ी भवन, भोपाल

Harsh Chouhan

हर्ष चौहान/HARSH CHOUHAN
अध्यक्ष/Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
NATIONAL COMMISSION FOR SCHEDULED TRIBES
भारत सरकार/Govt. of India
नई दिल्ली/New Delhi

5. **दिनांक 13 नवंबर**, 2021 **को राष्ट्रीय अनुसुचित जनजाति आयोग के माननीय अध्यक्ष महोदय ने बैठक में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल की समीक्षा की।**

माननीय अध्यक्ष श्री हर्ष चौहान राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल के अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ चर्चा के लिये कार्यालय पहुँचे। उनके द्वारा कार्यालय में ग्राम पोर्टल तथा शिकायतों के निराकरण की प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली गई। सुश्री दीपिका खन्ना, अनुसंधान अधिकारी द्वारा पोर्टल में आ रही विभिन्न कठिनाईयों एवं शिकायतों के निराकरण करने की प्रक्रिया के बारे में बताया। माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा फाईल बंद करने की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी ली गई। सुश्री दीपिका खन्ना, अनुसंधान अधिकारी द्वारा बताया गया कि मुख्यालय के निर्देशानुसार 31-03-2021 तक खोले गए लंबित प्रकरणों को बंद किया जा रहा है जिसकी रिपोर्ट मुख्यालय को प्रतिदिन भेजी जा रही है।

अनुसंधान अधिकारी, आयोग के क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल द्वारा अध्यक्ष महोदय को जानकारी दी गई कि भोपाल क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा पूर्व में 81 प्रकरणों पर पूर्व उपाध्यक्ष तथा सदस्य महोदया द्वारा सिटिंग करवाई गई थी। उन्होंने माननीय अध्यक्ष महोदय से निवेदन किया कि यदि उनके भोपाल अथवा अन्य जिलों के आगमन की जानकारी 15 दिवस पूर्व मिल जाये तो उनकी अध्यक्षता में भोपाल क्षेत्रीय कार्यालय के प्रकरणों पर सिटिंग/बैठक करवाई जा सकती है। माननीय अध्यक्ष महोदय ने आश्वासन दिया कि भविष्य में विचार किया जायेगा।

सुश्री दीपिका खन्ना द्वारा कार्यालय के कार्य सुचारू रूप से संचालित करने हेतु अतिरिक्त बजट के लिए माननीय अध्यक्ष महोदय से निवेदन किया गया तथा कार्यालय के अधिकारी/कर्मचारियों के लंबित पदोन्नति के प्रकरणों के बारे में भी माननीय अध्यक्ष महोदय को बताया गया। माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा इस विषय पर मुख्यालय में एक मीटिंग रखने के लिए कहा गया।

Harsh Chouhan

हर्ष चौहान/HARSH CHOUHAN
अध्यक्ष/Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
NATIONAL COMMISSION FOR SCHEDULED TRIBES
भारत सरकार/Govt. of India
नई दिल्ली/New Delhi

6. दिनांक 13 नवंबर, 2021 **को भोज मुक्त विश्वविद्यालय में जनजातीय शोध पीठ का शुभारम्भ-**

मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में दिनांक 13-11-2021 को माननीय अध्यक्ष श्री हर्ष चौहान द्वारा *"जनजातीय शोध पीठ"* का शुभारंभ किया गया। मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय भोपाल एवं राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में भोज मुक्त विश्वविद्यालय भोपाल में *"जनजातीय शोध पीठ"* का गठन किया गया है। विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के मध्य अनुबंध करके मध्य प्रदेश में अनुसूचित जनजातियों के कल्याण के लिये शासन की विभिन्न योजनाओं, नीतियों, तथा अनुसूचित जनजाति के आर्थिक, सामाजिक स्थिति एवं सांस्कृतिक परम्पराओं पर शोध अध्ययन किया जायेगा।

माननीय अध्यक्ष महोदय ने शुभारंभ कर अपना वक्तव्य प्रकट किया उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस पर इस कार्य को आरंभ करते हुये मुझे गर्व हो रहा है। यह मेरी पीड़ा रही है कि अनुसूचित जनजातियों के सामाजिक स्तर पर जैसा शोध होना चाहिए उसका ईमानदारी से प्रयास नही किया गया है। वर्तमान में अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति भी यह समझने लगे है कि उनके नाम पर पाखंड किया जा रहा है। अनुसूचित जनजाति के विकास के नाम पर संचालित योजनाएं क्या उसके समाज का विकास कर पा रही है? वह यह समझ रहा है की उसकी मौन रूद्रण (Silent Cry) सुनी नहीं जा रही है, समझी नही जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि अनुसूचित जनजातियों के विकास के लिये बनाई गई योजनाओं के योजनाकारों को अनुसूचित जनजातियों के संदर्भ में जानकारी कम रही एवं उनका दृष्टिकोण शहरी/नगरीय रहा। इस विश्वविद्यालय में अनुसूचित जनजातियों पर होने वाले शोध उनकी सामाजिक व्यवस्था, पारिवारिक व्यवस्था, आर्थिक व्यवस्था पर गहन अध्ययन करेंगे जो उनके विकास योजनाओं को बनाने में सहयोग प्रदान करेंगे।

माननीय अध्यक्ष महोदय ने यह भी कहा विश्वविद्यालय में होने वाले शोध अध्ययनों का एक विषय 'पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम 1996 (पेसा) अधिनियम तथा अनुसूचित जनजाति और अन्य परम्परागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 होना आवश्यक है। अधिकारियों/कर्मचारियों, सरपंच तथा अन्य ग्रामवासियों को उक्त दोनों अधिनियमों की जानकारी के लिये कैसे जागरूक किया जाये इस पर भी शोध आवश्यक है। इस अधिनियम का उद्देश्य

हर्ष चौहान/HARSH CHOUHAN
अध्यक्ष/Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
NATIONAL COMMISSION FOR SCHEDULED TRIBES
भारत सरकार/Govt. of India
नई दिल्ली/New Delhi

जनजातीय जनसंख्या को स्वशासन प्रदान करना, पारंपरिक परिपाटियों की सुसंगता में उपयुक्त प्रशासनिक ढाँचा विकसित करना तथा ग्राम सभा को सभी गतिविधियों का केंद्र बनाना है। इन कानूनों के लिये अनुसूचित जनजाति कैसे जागरूक हो, उनके जीवन स्तर को बढ़ाने के लिये यह कानून किस प्रकार लाभदायी है उन्हें इसकी जानकारी देना आवश्यक है। नई व्यवस्था का ज्ञान अनुसूचित जनजाति के गांव तक कैसे पहुँचें तथा अनुसूचित जनजाति स्वयं अपने विकास के लिये कैसे जागरूक हों विश्वविद्यालय द्वारा किये गये शोध, इसके मध्य सेतु बनायेंगे मुझे इसका पूर्ण विश्वास है।

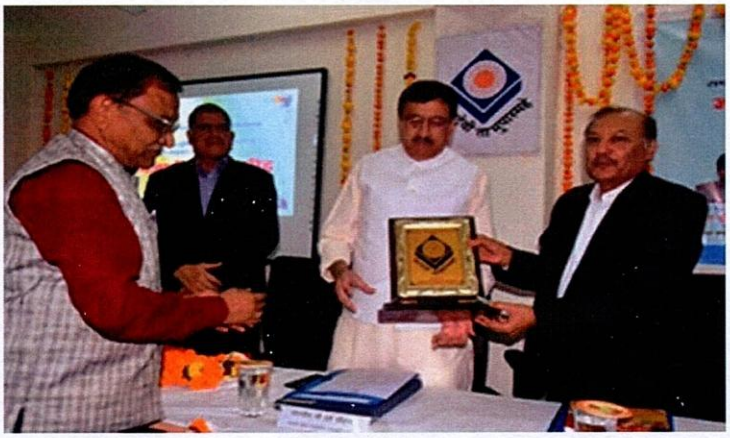

माननीय अध्यक्ष महोदय ने यह भी कहा विश्वविद्यालय में होने वाले शोध अध्ययनों का एक विषय 'पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम 1996 (पेसा) अधिनियम तथा अनुसूचित जनजाति और अन्य परम्परागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 होना आवश्यक है। अधिकारियों/ कर्मचारियों सरपंच तथा अन्य ग्रामवासियों को उक्त दोनों अधिनियमों की जानकारी के लिये कैसे जागरूक किया जाये इस पर भी शोध आवश्यक है। इस अधिनियम का उद्देश्य जनजातीय जनसंख्या को स्वशासन प्रदान करना, पारंपरिक परिपाटियों की सुसंगता में उपयुक्त प्रशासनिक ढाँचा विकसित करना तथा ग्राम सभा को सभी गतिविधियों का केंद्र बनाना है। इन कानूनों के लिये अनुसूचित जनजाति कैसे जागरूक हो, उनके जीवन स्तर को बढाने के लिये यह कानून किस प्रकार लाभदायी है उन्हें इसकी जानकारी देना आवश्यक है। नई व्यवस्था का ज्ञान अनुसूचित जनजाति के गांव तक कैसे पहुँचें तथा अनुसूचित जनजाति स्वयं अपने विकास के लिये कैसे जागरूक हों विश्वविद्यालय द्वारा किये गये शोध, इसके मध्य सेतु बनायेंगे मुझे इसका पूर्ण विश्वास है।

हर्ष चौहान/HARSH CHOUHAN
अध्यक्ष/Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
NATIONAL COMMISSION FOR SCHEDULED TRIBES
भारत सरकार/Govt. of India
नई दिल्ली/New Delhi

यह शोध पीठ जनजातियों की केवल सांस्कृतिक पहचान की ही चर्चा नहीं करेगा बल्कि उनके सामाजिक ढाँचे, सामाजिक व्यवस्था, अर्थव्यवस्था, जनजातियों से संबंधित कानून, तकनीकि एवं जनजाति अधिकारों के बारे में विस्तृत और गहन शोध करेगा। ऐसा इतिहास में कोई भी उदाहरण नहीं मिलता जहां अनुसूचित जनजाति के लोगों ने किसी प्रकार का देशद्रोह किया हो या विदेशी आक्रमणकारियों से मिल गये हो। यह शोध जनजाति समुदाय के कुछ अनसुलझे एवं अनछुए पहलुओं को समाज के सामने लायेगा। यह एक अच्छा प्रयास होगा। भोज मुक्त विश्वविद्यालय इन शोधों के माध्यम से पूरे देश में पहचान बनायेगा, इस शुभ विचार के साथ इस संस्थान को मैं धन्यवाद देता हूँ।

7. **दिनांक 13 नवम्बर**, 2021 **को राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के माननीय अध्यक्ष महोदय ने दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान, ठेंगड़ी भवन, भोपाल, मध्य प्रदेश का दौरा किया।**

माननीय अध्यक्ष महोदय ने दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान का दौरा किया और अधिकारियों के साथ उनके शोध पद्धति के संबंध में बातचीत की तथा अपने बातचीत के दौरान जनजाति संबंधी शोध पर जोर दिया।

Harsh Chauhan

हर्ष चौहान/HARSH CHOUHAN
अध्यक्ष/Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
NATIONAL COMMISSION FOR SCHEDULED TRIBES
भारत सरकार/Govt. of India
नई दिल्ली/New Delhi

8. **दिनांक 14 नवम्बर, 2021 को श्री विभाष उपाध्याय, जन अभियान परिषद्, भोपाल द्वारा राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के माननीय अध्यक्ष को आमंत्रित किया गया था।**

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के माननीय अध्यक्ष को श्री विभाष उपाध्याय, उपाध्यक्ष, जन अभियान परिषद, भोपाल द्वारा विभाग की कार्य प्रणाली और संगठन को पुनर्जीवित करने के संबंध में विचार-विमर्श हेतु आमंत्रित किया गया था जिसे कार्यवाही एवं विकास के लिए विभाग से भी जोड़ा जा रहा है।

9. **दिनांक 14 नवम्बर, 2021 को वनवासी कल्याण परिषद्, मध्य भारत द्वारा आयोजित "जनजातीय गौरव दिवस" कार्यक्रम में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के माननीय अध्यक्ष ने भाग लिया।**

वनवासी कल्याण परिषद भोपाल महानगर द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पूर्व संध्या पर आज जनजाति गौरव दिवस रविन्द्र भवन भोपाल में मनाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत सरकार के इस्पात मंत्री श्री फग्गन सिंह कुलस्ते थे, कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर डॉ. राम शंकर उरांव, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा की गई विशेष अतिथि के रुप में श्री हर्ष चौहान राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुसूचित जनजाति आयोग एवं सुश्री उषा ठाकुर संस्कृति मंत्री मध्य प्रदेश सरकार उपस्थित रहे।

हर्ष चौहान/HARSH CHOUHAN
अध्यक्ष/Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
NATIONAL COMMISSION FOR SCHEDULED TRIBES
भारत सरकार/Govt. of India
नई दिल्ली/New Delhi

कार्यक्रम में जनजातियों की शौर्य गाथा उनकी वीरता एवं जीवन के अनुपम संघर्षों को याद करते हुए उन्हें नमन किया गया साथ ही भारत सरकार द्वारा जनजातीय नायकों को सम्मान दिए जाने की प्रशंसा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि मध्य प्रदेश समेत संपूर्ण देश में आजादी के दौरान जनजातीय नायकों ने अमूल्य योगदान दिया है उनके उनकी शहादत को हमें याद रखना होगा और इस बारे में आगे आने वाली पीढ़ी को भी जानकारी दिए जाने की महती आवश्यकता है।

श्री हर्ष चौहान, माननीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन वृत्त पर विस्तार से प्रकाश डाला और कहा कि उन्होंने जन्म से धर्मांतरण सहित अनेक सामाजिक बुराइयों से संघर्ष किया और देश के लिए अपने जीवन के द्वारा अनुपम उदाहरण भी प्रस्तुत किए। जननायकों को याद किया और कहा कि हमारा यह पुनीत कर्तव्य है कि भारत में जन्में जनजाति नायकों को याद करें और उनकी स्मृति को सजाने के लिए इस तरह के आयोजन बहुत महत्वपूर्ण है।

Harsh Chouhan

(हर्ष चौहान)
अध्यक्ष

हर्ष चौहान/HARSH CHOUHAN
अध्यक्ष/Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
NATIONAL COMMISSION FOR SCHEDULED TRIBES
भारत सरकार/Govt. of India
नई दिल्ली/New Delhi